Spandan

Class - 2

2 हिंदी (स्पंदन)

1. सीखो

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) हमें फूलों से हँसना तथा भौंरों से गाना सीखना चाहिए।
   (ख) हवा के झोंकों से हमें कोमल-कोमल बहना सीखना चाहिए।
   (ग) सूरज की किरणें हमें जगना और जगाना सिखाती हैं।
   (घ) अँधेरा दीपक हरता है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) फूलों और भौंरों से हमें नित हँसना और गाना सीखना चाहिए।
   (ख) दूध और पानी से हमें मिल-जुलकर रहने की शिक्षा मिलती है।
   (ग) लता और पेड़ों से हमें सबको गले लगाने की शिक्षा मिलती है।
   (घ) जीवों की सच्ची सेवा करने की सीख हमें पृथ्वी से मिलती है।
2. (क) फूलों से नित हँसना सीखो,
   भौंरों से नित गाना।
   तरू की झुकी डालियों से नित,
   सीखो शीश झुकाना।
   (ख) सूरज की किरणों से सीखो,
   जगना और जगाना।
   लता और पेड़ों से सीखो,
   सबको गले लगाना।
3. (क) फूल – (*iii*) हँसना
   (ख) तरू – (*iv*) शीश झुकाना
   (ग) सूरज – (*v*) जगना और जगाना
   (घ) दीपक – (*ii*) अँधेरा हरना
   (ङ) पृथ्वी – (*i*) सच्ची सेवा करना

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

पृथ्वी अपने समस्त जीवों को अन्न, जल तथा जीवन के लिए आवश्यक अन्य साधनों को उपलब्ध कराकर सच्चे अर्थों में उनकी नि:स्वार्थ भाव से सेवा करती है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मोर (ख) गाजर (ग) रोड़
   (घ) वर्षा (ङ) पर्वत (च) पार्क
   (छ) ब्रुश (ज) समुद्र (झ) प्रार्थना
   (ञ) मेट्रो (ट) ड्राइवर (ठ) ट्रेन
2. (क) चिड़िया (ख) बढ़ई (ग) गुड़िया
   (घ) साड़ी (ङ) पेड़ (च) बुढ़िया
3. (क) फूल (ख) सूरज (ग) चाँद
   (घ) वृक्ष (ङ) गुलाब (च) शिक्षिका
2. (क) बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।
   (ख) बच्चा पढ़ रहा है।
   (ग) बच्ची लिख रही है।
   (घ) मोर नाच रहा है।
   (ङ) बच्चे दौड़ रहे हैं।
   (च) बच्ची पानी पी रही है।

क्रियाकलाप / सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

2. मित्रता

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) गोलू खरगोश और पीलू चूहे के बीच गहरी मित्रता थी।
   (ख) एक दिन पीलू किसी घर में खाना ढूँढ़ने गया।
   (ग) सुधिया गाय ने बिल्ली को दूध पिलाया।
   (घ) दूध पीने के बाद बिल्ली ने चूहे को छोड़ दिया।

लिखित

1. (क) गोलू और पीलू एक बिल में रहते थे।
   (ख) पीलू को एक बिल्ली ने पकड़ रखा था।
   (ग) बिल्ली के पास पहुँचकर गोलू ने कहा– ''बिल्ली मौसी, मेरे दोस्त पीलू को मत खाओ।''
   (घ) गोलू बिल्ली को सुधिया गाय के पास ले गया।
2. (क) "मेरे दोस्त पीलू को मत खाओ।"- गोलू खरगोश ने, बिल्ली से
   (ख) "मैं बहुत भूखी हूँ, चूहा नहीं तो क्या खाऊँगी?"- बिल्ली ने, गोलू खरगोश से

(ग) ''यदि आप थोड़ा-सा दूध बिल्ली को पीने दें, तो यह मेरे दोस्त पीलू को छोड़ देगी।''- गोलू खरगोश ने, सुधिया गाय से

(घ) ''हाँ-हाँ, क्यों नहीं। मैं बिल्ली को अपना दूध अवश्य पिलाऊँगी।''- सुधिया गाय ने, गोलू खरगोश से

3. (क) दोनों एक ही बिल में रहते थे।

(ख) एक दिन पीलू किसी घर में खाना ढूँढ़ने गया।

(ग) गोलू को अब चिंता होने लगी।

(घ) गोलू, बिल्ली को सुधिया गाय के पास ले गया।

4. (क) खरगोश – (*ii*) गोलू
(ख) चूहा – (*iv*) पीलू
(ग) गाय – (*iii*) सुधिया
(घ) बिल्ली – (*i*) मौसी

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मुसीबत में फँसे दोस्त को मैं हर संभव उसे मुसीबत से छुटकारा दिलाने तथा उसकी सहायता करने की कोशिश करूँगा।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मीठे जामुन (ख) लाल गाजर
(ग) एक बिल्ली (घ) थोड़ा-सा दूध

2. (क) गोलू और पीलू दोस्त थे। वे एक बिल में रहते थे।

(ख) मैं बहुत भूखी हूँ।

(ग) गोलू तुरंत बिल्ली को गाय के पास ले गया। उसने गाय से बिल्ली को दूध पिलाने को कहा।

(घ) पीलू खाना ढूँढ़ने गया, किंतु वह नहीं लौटा।

3. (क) हिरन पानी पी रहा है।
(ख) बच्चे पढ़ रहे हैं।
(ग) चिड़िया उड़ रही है।
(घ) बच्चे खेल रहे हैं।
(ङ) घोड़ा दौड़ रहा है।

4. (क) जंगल – जंगल घना है।
(ख) खाना – खाना तैयार है।
(ग) दूध – दूध ताज़ा है।
(घ) धन्यवाद – आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
(ङ) खुशी – उसकी खुशी का ठिकाना न था।

क्रिया-कलाप/गतिविधि

❖ छात्र स्वयं करें।

3. गुणकारी तुलसी

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।

(ख) पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन के रूप में जीवन देते हैं।

(ग) तुलसी के पौधे को हिंदू धर्म में पूजनीय माना जाता है।

(घ) तुलसी के पत्ते में विभिन्न रोगों के कीटाणुओं को नष्ट करने की शक्ति होती है।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) एक स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और देश की रचना कर सकता है।

(ख) प्रकृति ने हमें स्वस्थ रखने के लिए एक फलता-फूलता वनस्पति-जगत बना रखा है।

(ग) पौराणिक मान्यता के अनुसार तुलसी का पौधा लाभकारी होने के साथ-साथ हिंदू धर्म में पूजनीय भी माना जाता है।

(घ) तुलसी के पौधे को ''घर का वैद्य'' भी कहा जाता है।

2. [1] हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सचेत रहना चाहिए।

[2] यह लगभग हर घर में पाया जाता है।

[3] तुलसी के पौधे का प्राचीनकाल से बहुत महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

[4] इनके पत्ते हमारे आसपास के वातावरण को भी शुद्ध करते हैं।

3. (क) पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन के रूप में जीवन देते हैं।

(ख) स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले पौधों में तुलसी का पौधा हमारे लिए विशेष उपयोगी है।

(ग) तुलसी का पौधा अत्यंत गुणकारी है।

(घ) इसके समुचित प्रयोग से हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

4. (क) प्राचीनकाल में तुलसी के पौधे का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

(ख) हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पूजनीय माना जाता है।

(ग) तुलसी का पौधा बड़ी श्रद्धा के साथ घरों में लगाया जाता है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

पेड़-पौधे हमें जीवन प्रदान करते हैं। ये कार्बन-डाईऑक्साइड गैस, जो कि एक हानिकारक गैस है, को ग्रहण कर हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जो कि जीवन के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त ये हमें फल-फूल तथा खाद्यान्न भी प्रदान करते हैं। पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार है, इसलिए हमें इनकी रक्षा करनी चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) बच्चे खेल रहे हैं।
   (ख) बच्चा पढ़ रहा है।
   (ग) बच्चे तैर रहे हैं।
   (घ) बच्ची पढ़ी रही है।
   (ङ) माँ खाना बना रही है।
   (च) कुत्ता भौंक रहा है।
2. (क) (अस्वस्थ) (ख) (काँटा)
   (ग) (नवीन) (घ) (अशुद्ध)
3. (क) फल, जल, कल
   (ख) पौधा, आधा, बाधा
4. (क) देश - वेश, (ख) रूप - धूप, (ग) सच्चा - कच्चा, (घ) पत्ता - गत्ता, (ङ) काली- माली, (च) छाला- भाला,

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

1. (क) तुलसी (ख) आम (ग) इमली
   (घ) इलायची (ङ) बरगद (च) जामुन
   (छ) गुलमोहर (ज) नीम

2 एवं 3 प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं दें।

4. बलवान भीम

लिखित

1. (क) वन में घूमते-घूमते पाँचों पांडव एक गाँव में पहुँचे।
   (ख) गाँववाले राक्षस से इसलिए परेशान थे क्योंकि उन्हें ढेर सारा भोजन और एक आदमी राक्षस के पास भेजना पड़ता था।
   (ग) ब्राह्मण और उसकी पत्नी इसलिए रो रहे थे क्योंकि उनके एकमात्र बेटे को कल राक्षस के पास भेजा जाना था।
   (घ) राक्षस का अंत भीम ने किया।
2. [1] प्राचीन काल की बात है।
   [2] पांडव एक ब्राह्मण के घर में ठहरे।
   [3] भीम ने राक्षस को मार डाला।
   [4] ब्राह्मणी ने भीम को गले से लगा लिया।
3. (क) ब्राह्मण का एक ही बेटा था।
   (ख) ब्राह्मणी ने रोते-रोते सारी बात बता दी।
   (ग) राक्षस को बड़ा गुस्सा आया।
   (घ) भीम गाड़ी लेकर वापिस आ गए।
4. (क) राक्षस की कमर पर जोर से एक लात भीम ने जमाई।
   (ख) भीम और राक्षस के बीच लड़ाई शुरू हो गई।
   (ग) राक्षस की जान निकल गई।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

हमें बुराई का विरोध करना चाहिए क्योंकि इससे मानवता और प्रेम-भाव का खात्मा होता है। बुराई मनुष्यता को खत्म करती है और अच्छाई इसे बचाती है। इसलिए हमें हमेशा बुराई का विरोध करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पाँच पांडव एक वन में गए।
   पांडव – गए
   (ख) वहाँ एक राक्षस रहता था।
   राक्षस – रहता था
   (ग) ब्राह्मणी रो रहा थी।
   ब्राह्मणी – रो रही थी
   (घ) ब्राह्मणी ने सारी बात बता दी।
   ब्राह्मणी – बता दी
   (ङ) वह भीम पर तेज़ी से झपटा।
   भीम – झपटा
   (च) भीम ने घूँसा मारा।
   भीम – मारा
   (छ) गाँववाले खुशी से नाचने लगे।
   गाँववाले – नाचने लगे
2. (क) मैं (*iii*) राक्षस के पास जाऊँगा।
   (ख) आप (*i*) रोइए मत।
   (ग) वह (*ii*) गुस्से से आग बबूला हो गया।
   (घ) वे (*iv*) खुशी से नाचने लगे।
   (ङ) तुम (*v*) मुझे नहीं जानते।
3. (क) राजा – रानी, (ख) अंत – प्रारंभ,
   (ग) शक्तिशाली – शक्तिहीन, (घ) गुस्सा – शांति,
   (ङ) रोना–हँसना, (च) खुशी – दुख

4. (क) गाँव – छाँव, (ख) बात – सात,
(ग) वन – मन (घ) गाड़ी – साड़ी (ङ) रात – मात
(च) जान – मान

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

5. बड़ा कौन

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) सूरज और बादल गहरे दोस्त थे।
(ख) आँख-मिचौली का खेल खेलने में सूरज और बादल को बड़ा मज़ा आता था।
(ग) उन दोनों के बीच अपनी श्रेष्ठता को लेकर झगड़ा शुरू हो गया।
(घ) बादल के बरस जाने तथा सूरज के ढल जाने के बाद धरती से आवाज़ आई।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) सूरज की गरमी से डरकर चिड़ियाँ एवं जानवर छाया ढूँढ़ने लगते हैं।
(ख) लोग प्यार से बादल को बुलाते हैं।
(ग) धरती ने सूरज और बादल से कहा– ''तुम दोनों ही बड़े हो। तुम दोनों के बिना भला कौन रह सकता है।''
(घ) डूबता हुआ सूरज लाल था।
2. [1] सूरज और बादल गहरे दोस्त थे।
[2] एक दिन की बात है।
[3] बादल भी कुछ कम न था।
[4] धरती भी सूरज और बादल के मिलन से प्रसन्न थी।
3. (क) दोनों आपस में खूब शरारत करते।
(ख) मेरी गरमी से डरकर लोग घरों में छिप जाते हैं।
(ग) लोग हमेशा मुझे कितने प्यार से बुलाते हैं।
(घ) सूरज ढलने लगा था।
4. (क) बादल बरस कर खाली हो चुका था।
(ख) धरती की आवाज़ आई।
(ग) धरती ने कहा– ''तुम दोनों ही बड़े हो। तुम दोनों के बिना भला कौन रह सकता है!''

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

अहंकार से अपने को बड़ा समझने तथा दूसरों को छोटा समझने की भावना उत्पन्न होती है, जो गलत है। इससे मनुष्य भटक जाता है तथा सही मार्ग पर नहीं चल पाता। इसलिए हमें अहंकार बिलकुल नहीं करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) बादल (ख) चिड़िया (ग) बंदर
(घ) किसान (ङ) पहाड़ (च) नदी
(छ) पुस्तक (ज) कलम (झ) विद्यालय
2. लाल – सेब, हरा – वृक्ष, काला –बादल,
छोटा – लड़का, नीला – आकाश
3. (क) सरदी – गरमी, (ख) पशु – पक्षी,
(ग) पेड़ – पौधे, (घ) फल – फूल,
(ड़) भाई – बहन (च) अच्छा – बुरा
4. (क) छाया – वृक्ष की छाया में लोग बैठे थे।
(ख) ज़मीन – ज़मीन काफी सख्त थी।
(ग) आसमान – नीला आसमान चमक रहा था।
(घ) धरती – धरती हमारी माता के समान है।
(ड़) आवाज़ – उसकी आवाज़ सुरीली है।
(च) प्रसन्न – मोहन काफी प्रसन्न था।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. आसमान में सूरज के निकलते ही चारों तरफ प्रकाश फैल जाता है। सूर्य की सुनहरी किरणों से नहाई धरती जगमगा उठती है। लोग-बाग बिस्तर से उठकर अपने-अपने कामों में लग जाते हैं। पेड़-पौधों में एक नए जीवन का संचार होता है। फूल मुस्कुरा उठते हैं। हर तरफ उल्लास का वातावरण छा जाता है।

6. मुन्नी ओढ़े चुन्नी

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) मुन्नी ने गुड़िया खूब सजाई।
(ख) गुड़िया की बारात चढ़ी है।
(ग) मुन्नी ने गुड़िया को इसलिए गले लगाया है क्योंकि वह ससुराल जा रही है।
(घ) गुड़िया प्यारी ससुराल जा रही है।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) मुन्नी चुन्नी ओढ़े हुए है।
   (ख) गुड़िया की सगाई है, इसलिए वह खुद सजाई गई है।
   (ग) गुड़िया ससुराल जा रही है, इसलिए मुन्नी की आँखों में आँसू हैं।
   (घ) गुड़िया प्यारी ससुराल जा रही है।
2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–
   (क) मुन्नी-मुन्नी, ओढ़े चुन्नी
   कौन खुशी की बात है?
   आज तुम्हारी गुड़िया प्यारी
   की क्या चढ़ी बारात है?
   (ख) मुन्नी-मुन्नी, ओढ़े चुन्नी
   गुड़िया गले लगाए
   आँखों से यों आँसू क्यों
   रह-रह बह-बह आए?

3. (क) मुन्नी – (*v*) चुन्नी
   (ख) गुड़िया – (*iii*) सगाई
   (ग) बारात – (*ii*) चढ़ी
   (घ) आँख – (*iv*) आँसू

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मुन्नी की आँखों से आँसू इसलिए बह रहे थे क्योंकि उसकी गुड़िया ससुराल जा रही थी। गुड़िया से बिछुड़ने के दु:ख में मुन्नी रो रही थी।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पेड़ पर कौआ बैठा है।
   (ख) फूल खिले हैं।
   (ग) लड़की पढ़ रही है।
   (घ) हलवाई जलेबी बना रहा है।
   (ङ) माली पेड़ लगा रहा है।
   (च) मैदान में बच्चे खेल रहे हैं।
   (छ) यह पुस्तक मोहन की है।
2. (क) मुन्नी चुन्नी ओढ़ती है।
   (ख) गुड़िया खूब सजाई गई है।
   (ग) गुड़िया की बारात आई है।
   (घ) मुन्नी की आँखों से आँसू बह रहे हैं।
   (ङ) गुड़िया ससुराल चली गई।

3. (क) आज – (*iv*) कल
   (ख) खूब – (*v*) कम
   (ग) खुशी – (*ii*) दुख
   (घ) तुम्हारी – (*iii*) हमारी
   (ङ) जाती – (*i*) आती
4. (क) मुन्नी – चुन्नी (ख) गले – भले (ग) सगाई – लगाई (घ) वह – सह (ङ) गुड़िया – पुड़िया (ङ) हाल – माल

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

7. गिलहरी का साहस

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
   (ख) बुद्ध वापस अपने राज्य इसलिए लौटने लगे क्योंकि कठिन साधना के बावजूद उनको ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो पाई थी।
   (ग) विश्राम करते समय बुद्ध की दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी।
   (घ) अंत में बुद्ध ने अपने राज्य वापस लौटने का विचार त्याग दिया।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) बुद्ध ज्ञान की खोज में वन गए थे।
   (ख) झील में गिलहरी बार-बार डुबकी लगाकर रेत में लोट रही थी।
   (ग) महात्मा बुद्ध ने गिलहरी से पूछा– ''नन्हीं गिलहरी! तुम यह क्या कर रही हो?''
   (घ) एक छोटी-सी गिलहरी ने बुद्ध की आँखें खोल दीं।
2. [1] महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
   [2] वे बहुत ही निराश और दुखी थे।
   [3] बुद्ध को गिलहरी की बात समझ में आ गई।
   [4] एक छोटी-सी गिलहरी ने उनकी आँखें खोल दीं।
3. (क) रास्ते में एक ठंडे जल की झील पड़ी।
   (ख) अंतत: उन्होंने वापस अपने राज्य लौट जाने का निश्चय किया।

(ग) यह देखकर बुद्ध को बहुत आश्चर्य हुआ।

(घ) वे पुनः अपनी साधना के पथ पर निकल पड़े।

4. (क) महात्मा बुद्ध का नाम सिद्धार्थ था।

(ख) बुद्ध ने जीवन के सत्य और ज्ञान की खोज में अपने राजपाट, पत्नी और बच्चे को त्याग दिया था।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव मनोबल को ऊँचा रखना चाहिए, क्योंकि इससे आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति में वृद्धि होती है और लक्ष्य की प्राप्ति आसान हो जाती है।

भाषा और व्याकरण

1.

र (ं)	(्र)	(्र)
गर्म	व्रत	ड्रामा
नर्म	क्रम	ट्रॉली
शर्म	प्रण	ट्रेन
तर्क	भ्रम	मेट्रो

2. (क) शरीर, (ख) फ़सल, (ग) शाखा, (घ) सामान, (ङ) शरीफा, (च) पैसा (छ) दिशा (ज) सवेरा

3. बचपन–बुढ़ापा, ठंडा–गरम, थोड़ा–ज्यादा, निश्चित–अनिश्चित, भीतर–बाहर

4. (क) दुरती – पुरती

(ख) ठंडा – डंडा

(ग) कील – मील

(घ) सारा – तारा

(ङ) रेत – खेत

(च) पानी – नानी

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

8. रंगों का त्योहार 'होली'

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) होली का त्योहार भाईचारा और प्रेम का संदेश देता है।

(ख) होली का त्योहार दो दिन मनाया जाता है।

(ग) पहले दिन शाम को होली जलाई जाती है।

(घ) होली के दिन लोग मिठाइयाँ खाते हैं।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) रंगों का त्योहार होली पूरे भारतवर्ष में उत्साह, उमंग, हर्ष तथा उल्लास के साथ मनाया जाता है।

(ख) प्रह्लाद भगवान का भक्त था।

(ग) होलिका को वरदान मिला था कि वह आग में नहीं जलेगी।

(घ) बच्चे गुब्बारे और पिचकारियों में रंग भरकर एक-दूसरे पर डालते हैं।

2. [1] होली का त्योहार दो दिन मनाया जाता है।

[2] होली को जलाने के बारे में एक कथा प्रचलित है।

[3] उसका पिता अपने-आपको भगवान मानता था।

[4] बुराई का अंत हो गया और सब खुश हो गए।

3. (क) यह त्योहार भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है।

(ख) अगले दिन लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं।

(ग) होलिका को वरदान मिला था।

(घ) इसे होलिका-दहन कहते हैं।

4. (क) प्रह्लाद भगवान का भक्त था।

(ख) प्रह्लाद का पिता अपने-आप को भगवान मानता था।

(ग) होलिका को वरदान मिला था कि वह आग में नहीं जलेगी।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत का त्योहार होली हमें हर्षोल्लास, प्रेमभाव तथा सौहार्दपूर्वक मनाना चाहिए। यह पर्व एक-दूसरे के बीच प्यार और स्नेह बाँटने का पर्व है। सही रास्ते पर चलने तथा गलत रास्तों का त्याग करने का त्योहार है। हमें इसे इसी रूप में मनाना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) दरवाज़ा – जामुन – नदी – दीवार – रणभूमि

(ख) आग – गरीब – बगुला – लाल– ललाट

2.

र	ं	्र	्र
शहर	सूर्य	क्रम	ट्रक
घर	वर्षा	व्रत	ट्रेन

3. (क) साथ × अलग— मोहन परिवार से अलग रहकर पढ़ाई करता है।

(ख) एक × अनेक— पेड़ पर अनेक चिड़ियाँ बैठी थी।

(ग) आना × जाना— आना-जाना तो लगा रहता है।

(घ) बुराई × अच्छाई— अच्छाई की हमेशा जीत होती है।

(ङ) अंत × आरंभ— मैच आरंभ हो चुका था।

(च) अगला × पिछला— पिछला दिन काफी गर्म था।

4. ड़ - पेड़, भेड़, मेड़, सड़क, लड़का
ढ़ - बूढ़ी, बूढ़ा, मूढ़, बढ़ई, बाढ़

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

प्रश्न 1 एवं 2 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

3. होली - मेरा प्रिय त्योहार

होली मेरा प्रिय त्योहार है। यह त्योहार चारों तरफ खुशियाँ और उल्लास लेकर आता है। होली के दिन हर कोई सब कुछ भूलकर खुशियों के रंग में डूब जाता है। रंग और खुशी से उनके चेहरे दमक उठते हैं। उस दिन सभी अपने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं। घर-वार स्वादिष्ट पकवानों की खुशबू से महक उठते हैं। होली मेरा पसंदीदा त्योहार है।

4. (क) भाई-बहन का त्योहार
(ख) रोशनियों का त्योहार
(ग) रंग और गुलाल का त्योहार
(घ) सेवइयों का त्योहार
(ङ) सांता क्लॉज का त्योहार

9. मिट्ठू तोता और कालू कौआ

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) तोते का नाम मिट्ठू था।
(ख) मिट्ठू कौए को देखकर डर गया।
(ग) घर जाते समय मिट्ठू ने एक गुब्बारे को देखा।
(घ) गुब्बारे की आवाज़ से कौआ डर गया।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) मिट्ठू तोता एक गाँव के पास पीपल के एक बड़े पेड़ पर रहता था।
(ख) मिट्ठू का रंग हरा और चोंच लाल थी।
(ग) गुब्बारा एक मैदान में पड़ा था।
(घ) कौआ गुब्बारे की आवाज़ के डर से उड़कर भाग गया।
2. [1] मिट्ठू बड़ा ही सुंदर था।
[2] घर जाते समय उसकी नज़र एक गुब्बारे पर पड़ी।
[3] उसने चोंच से गुब्बारे में छेद कर दिया।
[4] मिट्ठू ने कौए को उड़ते हुए देखा।
3. (क) एक गाँव के पास पीपल का एक बड़ा पेड़ था।
(ख) मिट्ठू बड़ा ही सुंदर था।
(ग) मिट्ठू को आम बहुत अच्छे लगते थे।
(घ) लाल गुब्बारा एक मैदान में पड़ा था।
4. (क)-(*iii*) (ख)-(*iv*) (ग)-(*ii*) (घ)-(*i*)

भाषा और व्याकरण

1. (क) शक्ल (ख) साधन
(ग) शाम (घ) समान
(ङ) विशेष (च) सात
(छ) शेष (ज) सवारी
(झ) दिशा
2. सड़क लड़की घड़ा छड़
बुढ़िया बढ़ई पढ़ाई सीढ़ी
3. (क) आम, काम, नाम
(ख) हरा, खरा, भरा
4. (क) सुंदर × असुंदर (ख) अच्छा × बुरा
(ग) ऊपर × नीचे (घ) बहुत × कम
(ङ) उतरना × चढ़ना (च) दूर × पास

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

प्रश्न 1 तथा 2 छात्र स्वयं करें।

3. (क) तेज़ दौड़ने के लिए
(ख) धीरे-धीरे चलने के लिए
(ग) कड़वा बोलने के लिए
(घ) सुंदर पंख और नृत्य के लिए
(ङ) मीठा गाने के लिए
(च) धूर्तता के लिए
4. बातूनी कछुआ

किसी तालब में एक कछुआ तथा दो हंस रहते थे। तीनों में गहरी मित्रता थी। तीनों के दिन अच्छे चल रहे थे। गरमी के दिनों में जब तालाब का जल-स्तर कम होने लगा, तो तीनों चिंतित हो उठे। उन्होंने उस तालाब को छोड़कर किसी दूसरे तालाब में जाने का निश्चय किया। किंतु उनके सामने एक बड़ी समस्या थी। हंस तो उड़कर दूसरी जगह जा सकते थे, किंतु कछुआ कैसे जाता। अंत में यह निर्णय लिया गया कि एक मजबूत लकड़ी के टुकड़े को दोनों हंस ही छोर से पकड़ लेंगे और कछुआ अपने मुँह से लकड़ी को पकड़ लेगा। इस प्रकार वे अन्यत्र आसानी से चले जाएँगे। किंतु एक समस्या थी। कछुआ बहुत बातूनी

था। बेवजह उसे बोलने की आदत थी। उसके हंस मित्रों ने समझाया कि रास्ते में किसी भी स्थिति में मुँह मत खोलना, वरना नीचे गिर जाओगे। कछुआ मान गया। हंस कछुए को लेकर उड़ चले। अभी वे थोड़ी ही दूर गए थे, कि उन्हें देखकर एक व्यक्ति अपने पुत्र से बोला– ''देखो, कछुए को हंस उड़ाकर ले जा रहे हैं।'' यह सुनकर बातूनी कछुए से रहा नहीं गया, और जैसे ही उसने कुछ बोलने के लिए मुँह खोला, आसमान से नीचे गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई। अपनी मूर्खता के कारण कछुआ अपनी जान से हाथ धो बैठा।

10. हिरन का बच्चा

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) हिरन का बच्चा नन्हा, प्यारा और सुंदर-सा था।
   (ख) एक दिन हिरन के बच्चे ने किसी और हिरन की आवाज़ सुनी।
   (ग) हिरन के बच्चे को माँ की सीख याद आई।
   (घ) हिरन के बच्चे को जंगल में एक उल्लू मिला।

लिखित

1. (क) हिरन का बच्चा अपनी माँ के साथ बरगद के एक वृक्ष के नीचे रहता था।
   (ख) हिरन के बच्चे को उसकी माँ समझाती थी– ''देखो बेटा, बरगद बाबा से दूर मत जाना।''
   (ग) घने जंगल में हिरन का बच्चा रास्ता भूल गया।
   (घ) हिरन के बच्चे को उसकी माँ के पास उल्लू ने पहुँचाया।
2. (1) वह अपनी माँ के साथ एक बरगद के वृक्ष के नीचे रहता था।
   (2) आवाज़ की खोज में वह जंगल में चला गया।
   (3) जंगल में अँधेरा भी होने लगा।
   (4) हिरनी ने उल्लू का धन्यवाद किया।
3. (क) एक हिरन का नन्हा, प्यारा, सुंदर-सा बच्चा था।
   (ख) हिरन का बच्चा बड़ा ही नटखट था।
   (ग) घने जंगल में वह रास्ता भूल गया।
   (घ) तब उसे माँ की सीख याद आई।
4. (क) एक दिन हिरन के बच्चे को किसी ओर हिरन की आवाज़ सुनाई दी।
   (ख) घने जंगल में हिरन का बच्चा रास्ता भूल गया।
   (ग) हिरन के बच्चे को माँ की सीख याद आई।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

बड़े अनुभवी होते हैं। जीवन में उनका लंबा अनुभव होता है। वे हमारा भला चाहते हैं। इसलिए हमें उनकी बात माननी चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सुंदर बच्चा (ख) उड़ता उल्लू
   (ग) घना जंगल (घ) सुरीली आवाज़
   (ङ) प्यारी माँ (च) अँधेरी रात
2. (क) खाना पकाना (ख) कूदना
   (ग) सोना (घ) भौंकना
   (ङ) ब्रश करना (च) पौधों को पानी देना
3. (क) इधर × उधर (ख) अँधेरा × उजाला
   (ग) दूर × पास (घ) रोना × हँसना
   (ङ) नीचे × ऊपर (च) अच्छा × बुरा
4. (क) मात, बात, रात, सात
   (ख) मकान, दुकान, सामान, ज़मीन

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

11. गुब्बारे

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) शमशेर गुब्बारों का ढेर लेकर आया।
   (ख) गुब्बारों को पैसे के बदले में लेने की बात की जा रही है।
   (ग) गुब्बारों को चारों ओर घुमाना है।
   (घ) जब गुब्बारा फट जाएगा, तो खेल खतम हो जाएगा।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) गुब्बारों का ढ़ेर लेकर शमशेर आया है।
   (ख) कविता में हरा, बैंगनी, लाल और सफ़ेद— चार रंगों की चर्चा की गई है।
   (ग) गुब्बारे की डोर मुट्ठी में लेकर इसे चारों ओर घुमाने की बात की जा रही है।
   (घ) गुब्बारे पर ज़ोर पड़ने पर वह फट जाएगा।
2. (क) गुब्बारों का लेकर ढेर
   देखो आया है शमशेर।
   हरे बैंगनी, लाल, सफ़ेद
   रंगों के हैं कितने भेद!

(ख) पड़ा किसी के ऊपर ज़ोर
एक ज़ोर का होगा शोर।
गुब्बारा फट जाएगा।
खेल खतम हो जाएगा।

3. (क) गुब्बारा – (*iii*) ढेर
(ख) रंग – (*iv*) भेद
(ग) पैसा – (*vi*) मोल
(घ) हाथ – (*v*) उछाल
(ङ) ज़ोर – (*ii*) शोर
(च) खेल – (*i*) खतम

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मेरे पास यदि चार गुब्बारे होते और कोई बच्चा अपनी माँ से गुब्बारे खरीदने के लिए जिद कर रहा होता किंतु उसकी माँ पैसे के अभाव में गुब्बारे नहीं खरीद पाती, तो मैं उस बच्चे को अपना गुब्बारा दे देता। मेरे पास अब भी तीन गुब्बारे होते, किंतु बच्चे के पास भी खेलने के लिए एक गुब्बारा होता।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अच्छा खेल (ख) लंबा हाथ
(ग) बहुत शोर (घ) अनेक रंग
(ङ) लाल गुब्बारा (च) पतली डोर

2. (क) आना × जाना (ख) अधिक × कम
(ग) लंबा × छोटा (घ) एक × अनेक
(ङ) ऊपर × नीचे (च) खतम × शुरू

3. (क) रंग – गुलाबी रंग में फूल खिले हैं।
(ख) पैसा – चोर ने पैसे चुरा लिए।
(ग) हाथ – उसका हाथ लंबा है।
(घ) ज़ोर – ज़ोर से मत चिल्लाओ!
(ङ) शोर – यहाँ बहुत शोर हो रहा है।

4. (क) हरा–भरा, (ख) लाल–जाल, (ग) गोल–मोल, (घ) खूब–दूब, (ङ) पड़ा–बड़ा, (च) खेल–मेल

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

12. एकता की शक्ति

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) किसान के पाँच बेटे थे।
(ख) किसान के पाँचों पुत्रों में परस्पर प्रेम और अपनत्व का अभाव था, इसलिए वह दुखी रहा करता था।
(ग) किसान द्वारा दिए गए लकड़ी के गट्ठर को लेकर उसके पाँचों लड़के आपस में लड़ने लगे।
(घ) दशरथ के पुत्रों ने आपस में इसलिए झगड़ना छोड़ दिया क्योंकि उन्हें एकता की शक्ति का पता चल गया था।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) किसान के पाँचों पुत्रों के नाम क्रमशः राम, श्याम, मोहन, सोहन और मनोहर थे।
(ख) एक दिन किसान को लकड़ी का एक गट्ठर बनाकर अपने बेटों को तोड़ने के लिए देने का उपाय सूझा।
(ग) किसान के पुत्र लकड़ियों का गट्ठर इसलिए नहीं तोड़ पाए क्योंकि वह काफी मज़बूत था।
(घ) अंत में किसान के पुत्रों को इस बात का ज्ञान हो गया कि एकता में शक्ति होती है।

2. (1) वे आपस में लड़ते रहते थे।
(2) इससे दशरथ बहुत दुखी रहता था।
(3) दशरथ के पुत्रों ने उस दिन से आपस में झगड़ना छोड़ दिया।
(4) वे अब मिल-जुलकर प्रेमभाव से रहने लगे।

3. (क) किसान के पाँचों पुत्रों में परस्पर प्रेम और अपनत्व का अभाव था।
(ख) इससे दशरथ बहुत दुखी रहता था।
(ग) उसने गट्ठर सोहन को दे दिया।
(घ) इस बार सभी ने टहनियों को आसानी से तोड़ दिया।

4. (क) दशरथ अपने पुत्रों के व्यवहार को लेकर दुखी था।
(ख) दशरथ को लकड़ी की टहनियों के गट्ठर बनाने का विचार सूझा।
(ग) दशरथ ने अपने पाँचों पुत्रों को बुलाकर कहा– "तुम लोगों में से जो इन टहनियों के गट्ठर को तोड़ देगा, उसे पुरस्कार मिलेगा।"

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

परस्पर प्रेमभाव और मिल-जुलकर रहने से शांति और सद्भाव का वातावरण बनता है। एकता की शक्ति का संचार होता है तथा कठिन से कठिन कार्य भी सरलतापूर्वक संपन्न हो जाते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. पाँच–पुत्र, दुखी–किसान, छोटा–गट्ठर, सूखी–टहनियाँ, हँसता–लड़का, सुंदर–घर
2. (क) प्रेम – हमें पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए।
   (ख) पुरस्कार – परिश्रम और लगन का पुरस्कार अवश्य मिलता है।
   (ग) आँख – उसकी आँख लग गई।
   (घ) टहनी – पेड़ की टहनी को मत तोड़ो।
   (ङ) शक्ति – एकता में शक्ति है।
3. (क) दशरथ के लिए
   (ख) किसान के पुत्रों के लिए
   (ग) मनोहर के लिए
   (घ) किसान के लड़कों के लिए
   (ड़) दशरथ के लिए
4. (क) लकड़ी – पकड़ी
   (ख) सिर – फिर
   (ग) छोटा – मोटा
   (घ) टहनी – पहनी
   (ङ) ज़ोर – शोर
   (च) मेल – खेल
   (छ) दाँत – आँत
   (ज) शक्ति – भक्ति
   (झ) सूझ – बूझ
   (ञ) अलग – थलग

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

प्रश्न 1 तथा 2 छात्र स्वयं करें।

3. एक पेड़ पर कुछ कबूतर बैठे थे। तभी पेड़ के नीचे उन्हें कुछ दाने नज़र आए। कबूतरों के मुँह में पानी भर आया। वे दाने चुगने के लिए पेड़ से नीचे जाने लगे। किंतु उनमें से एक बूढ़े कबूतर ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, क्योंकि उसे इसमें कुछ संकट लग रहा था। किंतु कबूतर दाने के लालच में पेड़ से नीचे उतर गए। वहाँ दाने डालकर बहेलिए ने जाल बिछा रखा था। सभी कबूतर जाल में फँस गए। तभी बूढ़े कबूतर ने अन्य कबूतरों को धैर्य रखने को कहा। उसने सभी कबूतरों को बहेलिए द्वारा बिछाए गए जाल को चोंच में पकड़कर उड़ चलने की सलाह दी। सभी ने ऐसा ही किया। कबूतर जाल लेकर अन्यत्र उड़ गए और बहेलिया हाथ मलता रह गया। ठीक ही कहा गया है– एकता में शक्ति होती है।

13. पेंसिल का जन्म

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) पेंसिल का जन्म इंग्लैंड में हुआ।
   (ख) गड़रियों ने ग्रेफ़ाइट के टुकड़ों से अपनी भेड़ों पर निशान लगाए।
   (ग) कुछ लोगों ने लेड पर धागा बाँधकर फिर लिखना चाहा।
   (घ) बाद के वर्षों में पेंसिल के कई-कई रूप सामने आए।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) पेंसिल का जन्म दो हज़ार वर्ष पूर्व हुआ माना जाता है।
   (ख) गड़रियों को भेड़ चराते वक्त ग्रेफ़ाइट के टुकड़े मिले।
   (ग) गड़रियों ने अपनी भेड़ों पर निशान ग्रेफ़ाइट के टुकड़ों से लगाए।
   (घ) कुछ लोग लकड़ियों के टुकड़ों के अंदर पतला छेद करके उसमें लेड फँसाने में सफल हो गए।
2. [1] इसे बाद में काले लेड का नाम दिया गया।
   [2] यह इतना मज़बूत नहीं था, इसलिए टूटता रहता था।
   [3] परंतु इससे भी लिखना इतना आसान नहीं हो पा रहा था।
   [4] बस फिर क्या था, हो गया पेंसिल का जन्म।
3. (क) जिस पेंसिल से हम लिखते हैं, उसका जन्म लगभग दो हज़ार वर्ष पूर्व हुआ था।
   (ख) इसे बाद में काले लेड का नाम दिया गया।
   (ग) इस प्रकार, पेंसिल से लिखा जाने लगा।
   (घ) बाद के वर्षों में पेंसिल के कई-कई रूप हमारे सामने आए।

मूल्यपरक प्रश्न

पेंसिल की खोज हमारी शिक्षा-दीक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अत्यंत ही उपयोगी तथा महत्वपूर्ण है। पढ़ाई-लिखाई के दौरान हमें हर कदम पर पेंसिल की आवश्यकता पड़ती है।

भाषा और व्याकरण

1. [र] → तीर वीर खीर
   [्र] → क्रम भ्रम प्रण

ॅ → वर्ष हर्ष कर्म

‸ → मेट्रो ट्रक ट्रॉम

2\. (क) हवादार, वफ़ादार, समझदार

(ख) बोलकर, पढ़कर, लिखकर

3\. ड़ → भेड़ पेड़ मेड़

ढ़ → बाढ़ मूढ़ा बढ़ई

ऋ → मृग कृषि वृक्ष

4\. (क) काला × सफ़ेद

(ख) मज़बूत × कमज़ोर

(ग) आसान × कठिन

(घ) अंदर × बाहर

(ङ) सफल × असफल

(च) कई × कुछ

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

14. सतरंगा इंद्रधनुष

मौखिक

1\. छात्र स्वयं करें।

2\. (क) मनोज अपनी दादी के साथ बगीचे में घूम रहा था।

(ख) राजा के सात पुत्र थे।

(ग) पीले रंग के बालक ने कहा कि मैं फलों और फूलों में भी हूँ।

(घ) झगड़ रहे बालकों के पास राजा पहुँचे।

3\. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1\. (क) आकाश में इंद्रधनुष सतरंगा दिखलाई पड़ता है।

(ख) राजा के सातों पुत्र आपस में झगड़ा करते रहते थे।

(ग) लाल रंग के बालक ने कहा कि मेरे बिना तो सब कुछ बेरंग है।

(घ) राजा की बात सुनकर बालकों ने आपस में झगड़ना बंद कर दिया।

2\. [1] बरसात का समय था और आकाश में काले बादल छाए हुए थे।

[2] एक राजा के सात पुत्र थे।

[3] वे सारे बालक आपस में झगड़ रहे थे कि राजा वहाँ आ पहुँचे।

[4] वे हाथ पकड़कर आकाश में साथ-साथ हँसी-खुशी से घूमने लगे।

3\. (क) मनोज अपनी दादी के साथ बगीचे में घूम रहा था।

(ख) कुछ ही देर में आसमान बादलों से ढक गया।

(ग) इसे इंद्रधनुष कहते हैं।

(घ) सबसे अच्छा मैं हूँ।

4\. (क) सेब – (*ii*) लाल

(ख) संतरा – (*iii*) नारंगी

(ग) जामुन – (*iv*) बैंगनी

(घ) मोर – (*i*) नीला

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

अहंकार से हम अपने को श्रेष्ठ और दूसरों को निम्न समझने लगते हैं। इससे दूसरों को दुख पहुँचता है। अहंकार करने वाले व्यक्ति के विकास के मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं।

भाषा और व्याकरण

1\. (क) दादी कहानी सुनाती है।

(ख) इसे इंद्रधनुष कहते हैं।

(ग) लाल रंग का बालक बोला।

(घ) इसके बारे में मुझे विस्तार से बताइए।

2\. (क) इंद्रधनुष – (*v*) सतरंगा

(ख) तरबूज़ – (*iv*) लाल

(ग) बादल – (*iii*) काले

(घ) फूल – (*ii*) पीले

(ङ) बालक – (*i*) सात

3\. (क) संतरा, (ख) गाजर, (ग) जामुन, (घ) अंगूर, (ङ) बैंगन, (च) टमाटर

4\. (क) कृपा, (ख) कृषि, (ग) वृक्ष, (घ) गृह

क्रियाकलाप/सृजनात्मक कार्य

1, 2 तथा 3 छात्र स्वयं करें।

4\. वर्षा ऋतु को 'ऋतुओं की रानी' कहा गया है। इसका कारण यह है कि यह ऋतु चारों तरफ हरियाली, हर्ष, उमंग तथा उल्लास का वातावरण लेकर आती है। इस ऋतु के आते ही मोर नाचने लगते हैं। पशु-पक्षी हर्षित हो उठते हैं। किसानों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। ताल-तलैये भर जाते हैं। बच्चे कागज की नाव बनाकर इस ऋतु का खूब मजा लेते हैं। इस ऋतु के आते ही गरमी और तपिस का दौर समाप्त हो जाता है। चारों तरफ खुशियाँ ही खुशियाँ बिखर जाती हैं।